

रामगढ़ बिजलीघर की नई इकाइयों की स्थापना ढाई साल में

ऊर्जा मंत्री डा. जितेन्द्रसिंह ने जैसलमेर जिले में रामगढ़ गैस ताप बिजलीघर के विस्तार कार्यक्रम को तेजी से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए हैं। इस बिजलीघर में दो नई इकाइयों की स्थापना ढाई साल में किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिनकी क्षमता 160 मेगावाट होगी।

डा. सिंह ने रामगढ़ ताप बिजलीघर के विस्तार कार्यक्रम को गति देने के लिए भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री राजीव चावला से बातचीत की जो आज परियोजना के काम पर चर्चा के लिए अपने साथियों के साथ जयपुर आए हुए थे। ऊर्जा मंत्री के अतिरिक्त भेल के कार्यकारी दल ने विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डा. एस.के. कल्ला और अन्य अधिकारियों से भी विचार विमर्श किया। इस दौरान परियोजना की सलाहकार कंपनी मेनटेक के श्री वैकटेश्वर भी मौजूद थे।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इन दोनों इकाइयों के लिए गैस आपूर्ति का करार पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में गेल से हो चुका है जिसके तहत फोकस एनर्जी की गैस निर्धारित समय पर मिलने लगेगी।

ऊर्जा मंत्री ने भेल के अधिकारियों से आग्रह किया कि इस बिजलीघर की दोनों इकाइयों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार स्थापित करने के लिए प्रारंभ से ही समयबद्ध कार्यक्रम सुनिश्चित करे जिससे 2011 के अंत तक इनमें विद्युत उत्पादन प्रारंभ किया जा सके। 640 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली इन इकाइयों में से पहली इकाई को नवंबर, 2011 में सिंक्रोनाइज करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन इकाइयों की स्थापना के बाद रामगढ़ बिजलीघर की क्षमता बढ़कर 270 मेगावाट हो जाएगी। इकाइयों की स्थापना के लिए भेल को कार्यादेश दिया जा चुका है।

डा. सिंह ने भेल के अधिकारियों से छबड़ा ताप बिजलीघर की तीसरी व चौथी इकाइयों के निर्माण को भी निर्धारित समय पर पूरा करने का आग्रह किया। प्रत्येक 250 मेगावाट क्षमता की इन इकाइयों से भी 2011 के अंत तक विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।